मसीह के साथ जी उठा

बपतिस्मा पर पुस्तिका

सी.ई.दासन

विषय

अध्याय	
प्रारम्भ	४
हमें बपतिस्मा क्यों लेना चाहिए ?	४
आइये इन कारणों पर मनन करें	५
बपतिस्मा लेना प्रभु यीशु की आज्ञा है	५
मसीह ने स्वयं बपतिस्मा लिया	५
चेलों ने इसका पालन और प्रचार किया	७
मनफिराव	८
मनफिराव के फल	८
शुद्ध विवेक का उत्तर	११
विश्वास	१२
गवाही देना	१३
बपतिस्मा का अर्थ क्या है ?	१४
मसीह की मृत्यु में सहभागिता	१४
मसीह के गाड़ेजाने में सहभागिता	१६
मसीह के जी उठने में सहभागिता	१७
किसके नाम में बपतिस्मा लें ?	१८

क्या आपने पौलुस के नाम से बपतिस्मा लिया ? १८
एक ही कलीसिया है १९
मसीह कलीसिया का सिर है २०
कुरिन्थ की कलीसिया २०
जो बचाये गये २१
हमें एक दूसरे की आवश्यकता हैं २१
परमेश्वर ने आपको एक वरदान दिया है २१
परमेश्वर के भवन का खम्भा २२

प्रारम्भ

यह पुस्तिका उनके लिए है जिन्होंने नया जन्म प्राप्त कर लिया है और बपतिस्मा के इच्छुक हैं। यदि आप उनमें से एक हैं तो परमेश्वर के अनुग्रह से यह पुस्तिका आपके लिए आशीष का कारण बन सकती है।

इस पुस्तिका को पढ़ते समय दिये गये प्रसंगों को बाईबल में से पढ़िये। परमेश्वर का वचन आपके अन्दर प्रवेश करके प्रकाश देगा। (भजन: ११९:३०) प्रभु आपको आशीष दे।

अध्याय १

हमें बपतिस्मा क्यों लेना चाहिए?

क्या आपको बपतिस्मा आवश्यक है? पवित्रशास्त्र के आधार पर यह समझना चाहिए। अपनी ही सन्तुष्टि के लिए ही नहीं पर जब कोई आपसे यह पूछे कि आपने बपतिस्मा क्यों लिया था क्यों लेने जा रहे हैं, तब आप उन्हें उचित उत्तर दे सकें।

१. बपतिस्मा लेना प्रभु यीशु की आज्ञा है।

२. मसीह ने स्वयं बपतिस्मा लिया।

३. चेलों ने उसका पालन और प्रचार किया।

आइये इन कारणों पर मनन करें -

१. बपतिस्मा लेना प्रभु यीशु की आज्ञा है।

प्रभु की इस आज्ञा का दो जगह वर्णन है: मत्ती २८:१९ और मरकुस १६:१६ स्मरण रखें कि इस संसार में और आनेवाले संसार में भी परमेश्वर के पुत्र प्रभु यीशु मसीह ही सर्वश्रेष्ठ अधिकारी हैं।

जब प्रभु की आज्ञानुसार आप बपतिस्मा लेते हैं तो आप प्रभु यीशु के अधिपत्य को स्वीकार करते हैं और घोषणा करते हैं कि वे ही सबके प्रभु हैं।

२. मसीह ने स्वयं बपतिस्मा लिया

यह दूसरा कारण है कि हम क्यों बपतिस्मा लें; बपतिस्मा लेकर प्रभु यीशु ने हमारे सामने उदाहरण रखा है। (मत्ती ३:१३-१५) वे राजाओं के राजा हैं और पूर्णत: निष्कलंक हैं; फिर भी अपने आपको नम्र बनाकर बपतिस्मा लिया और अब नम्रता तथा प्रेम से आपसे प्रार्थना करते हैं कि आप भी उनका अनुसरण करें। परमेश्वर के प्यारे बच्चों

यदि बपतिस्मा लेना तुम्हारे प्रभु और स्वामी के लिए अच्छा है तो क्या तुम्हारे लिए उचित नहीं है? प्रभु यीशु ने कहा "मुझ से सीखो; क्योंकि मैं नम्र और मन में दीन हूँ; और तुम अपने मन में विश्राम पाओगे।"

बपतिस्मा लेने के द्वारा आप यह कहते हैं कि प्रभु यीशु आपका उदाहरण हैं और आप उनके समान नम्र और दीन बनना चाहते हैं।

बपतिस्मा उन पापियों के लिए है जिन्होंने पश्चाताप् किया है (मत्ती ३:६)। कई पापी अपने पापों को मानकर यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के पास आये उन्होंने अपने पापों का अंगीकार किया और बपतिस्मा लिया। कल्पना कीजिए कि इस समय यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला यर्दन नदी के किनारे खड़ा है। हत्यारे, चोरों, शराबियों तथा अन्य पापों से भरे लोगों का झुन्ड भी अब पश्चाताप् करके बपतिस्मा लेने वहाँ आया है। यीशु भी इनके बीच आकर खड़े हो जाते हैं। ऐसे पापियों के मध्य वे खड़े हुए यह उनकी बड़ी दीनता थी।

क्या यह अचम्भे की बात नहीं कि जिसने कभी कोई पाप नहीं किया वह बपतिस्मा के लिए तैय्यार है, पर जिन्होने पाप किया है वे पूछते हैं - क्या यह आवश्यक है?

जब हम बपतिस्मा लेते हैं तो प्रसन्नतापूर्वक कहते हैं - मेरे नम्र प्रभु यीशु ने ऐसा किया है और मैं उनके अनुसरण को तैय्यार हूँ, क्योंकि "चेला अपने गुरु से बड़ा नहीं और न दास अपने स्वामी से।" (मत्ती १०:२४) (लूक.६:४०)

३. चेलों ने इसका पालन और प्रचार किया

यह तीसरा कारण है कि आपको भी बपतिस्मा लेना चाहिए। पिन्तेकुस्त के दिन ३००० आत्माएँ बचाई गईं और उन्होंने बपतिस्मा लिया। (प्रेरितों २:३८ - ४१) चेला पौलुस ने भी बपतिस्मा लिया (प्रेरितों ९:१८) तब उसने रोमियों ६:३-५ में बपतिस्मा का अर्थ समझाया। इसलिए हमें अपनी शुद्धि पर भरोसा करने और विधियों पर चलने को अपेक्षा इन प्रेरितों के उदाहरणों का अनुसरण करना अच्छा है।

अध्याय - २

किसे बपतिस्मा लेना चाहिए?

किसी भी व्यक्ति को बपतिस्मा लेने से पहले इन दो शर्तों को पूरा करना चाहिए -

१. मन फिराव (पश्चाताप)

२. विश्वास

कृपया पढ़ें - प्रेरितों २:३८ और मरकुस १६:१

१. मनफिराव

हर एक जो बपतिस्मा लेने का इच्छुक है उसे लेने को योग्य नहीं है। कई फरीसी और सदूकी बपतिस्मा लेने को यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के पास आये (मत्ती ३:६) यूहन्ना ने उन्हें "सांप के बच्चों" कहा और कहा कि, "मन फिराव के योग्य फल लाओ।" (मत्ती ३:८) "सांप के बच्चों" बहुत बुरा कथन है पर यूहन्ना जानता था कि ऐसा क्यों कहा। जिन्होंने अपने पापों से पश्चाताप् नहीं किया है वे स्वाभाव से ही शैतान के बच्चे हैं। ऐसे लोग बपतिस्मा नहीं ले सकते।

मनफिराव के फल

एक मनुष्य कह सकता है कि उसका मनफिराव हो गया है पर यही सब कुछ नहीं है। उसके मनफिराव के फलों का प्रमाण होना चाहिए। ऐसे प्रमाण "मन फिराव के फल" कहलाते हैं। (मत्ती ३:८) मन फिराव के फलों के कुछ उदाहरण हम यहाँ दे रहे हैं -

अ) उड़ाऊ पुत्र

लूका १५ में लिखा है कि उसने पश्चाताप् किया और अपने पिता के घर लौट आया। बड़ी नम्रता से आकर अंगीकार किया "पिता जी मैने स्वर्ग के विरोध में और तेरी दृष्टी में पाप किया है और अब इस योग्य नहीं रहा कि तेरा पुत्र कहलाऊ"। (लूका १५:२१)

यदि आपने पश्चाताप् किया है तो आप अपने पापों का अंगीकार करके परमेश्वर से क्षमा माँगें, इतना ही नहीं पर जिसके विरुद्ध पाप किया है उससे भी क्षमा माँगें। यदि आप उनसे व्यक्तिगत रुप में नहीं मिल सकते तो पत्र लिखकर अपने पाप को मानकर क्षमा तो माँग सकते हैं।

ब) चुंगी लेने वाले जक्कई ने पश्चाताप् किया। यह तब हुआ जब वह पेड़ पर था (लूका १९:१-१०) वह तुरन्त नीचे उतरा और आनन्दपूर्वक अपने घर में यीशु को ले गया। उसने प्रभु से कहा कि वह अपनी आधी संपत्ति कंगालों को देगा और किसी का कुछ अन्याय करके लिया है तो उसे चौगुना फेर देता है। (लूका १९:८)

यदि आपने पश्चाताप् किया है तो आप भी धन और सांसारिक

आनन्द के प्रेम को त्याग दें। यदि आपने कुछ चुराया है या हेराफेरी की है तो उन वस्तुओं को उनके स्वामी को लौटा दें।

इफीसुस में कुछ लेखक थे जो अपनी इस कला का दुर्रुपयोग कर रहे थे। पौलुस के वचनों को सुनकर उन्होंने पश्चाताप् किया और अपनी सारी पुस्तकें इकठ्ठा कर के जला दी। जब उनकी कीमत आंकी गई तो वे ५०,००० चांदी के सिक्कों के बराबर निकली। इन पुस्तकों को जलाना पड़ा ताकि इनके पढ़ने से दूसरों को हानि ना हो।

जब एक शराबी का मन फिराव होता है तो अपने घर की शराब की सब बोतलों को तोड़ने में उसे आनन्द मिलता है। जिनके पास गन्दी तस्वीरें, पत्रिकाएँ या अभद्र कैलेन्डर हैं वे इन्हें दूसरों को नहीं दे सकते पर उन्हें जलाकर आनन्द प्राप्त करते हैं।

ये मन फिराव के योग्य कुछ ही फल हैं। पर जब आप प्रार्थना कर - करके परमेश्वर से कहेंगे कि वे आपके हृदय को जाँचें तो वे मनफिराव के योग्य और फलों को भी अपने जीवन में दिखायेंगे। जब आप इस तरह परमेश्वर की सब आज्ञाओं को मान लेते हैं तो प्रभु और मनुष्य की दृष्टि में आपको शुद्ध विवेक मिलता है।

शुद्ध विवेक का उत्तर

१ पतरस ३:१ १ के अनुसार परमेश्वर का वचन कहता है कि शुद्ध विवेक का उत्तर 'बपतिस्मा" है। इसीलिए बपतिस्मा दिये जाने से पहले एक विश्वाासी से ये प्रश्न पूछे जाते हैं -

"क्या आपने अपने पापों से पश्चाताप किया है?"

"क्या आपने मनुष्य और परमेश्वर की दृष्टि में अपनी सब बुराइयों को छोड़ दिया है?"

"क्या आपको आश्वासन मिल गया है कि आपके पाप क्षमा कर दिये गये है, और आपका नाम जीवन की पुस्तक में लिखा जा चुका है?"

"क्या परमेश्वर की पवित्र आत्मा के द्वारा आपने नये जन्म का अनुभव प्राप्त कर लिया है?"

"यदि आवश्यकता पड़े तो क्या आप मसीह के कारण निन्दा और तिरस्कार सहने को तैय्यार हैं?"

एक धोखेबाज इन सब प्रश्नों का उत्तर बुरे विवेक के कारण "हाँ" के रुप में दे सकता है। पर परमेश्वर के प्रिय बच्चों जब आप प्रभु की उपस्थिति में और गवाहों के सामने इस प्रश्न का

उत्तर दे सकेंगे तो वह शुद्ध विवेक के अनुसार होगा। यदि आप इस योग्य बनना चाहते हैं तो मनफिराव के सब फलों को पहले से प्राप्त कर लेना आवश्यक है। यदि आपने अपने पडोसियों या रिश्तेदारों से झगड़ा किया है तो उनसे सुलह कर लें। यदि किसी ने आपको दु:ख पहुँचाया है, और उसके प्रति आपके मन में कड़वाहट है तो उन्हें क्षमा कर दें। यदि आपमें कोई बुरी आदत है, जैसे शराब पीना या धुम्रपान करना तो मसीह के विश्वास में इन्हें छोड दो। पौलुस फिलिप्पियों ४:१ ३ में कहता हैं "जो मुझे सामर्थ्य देता है, उस में मैं सब कुछ कर सकता हूँ।"

तो आओ, प्रार्थना और समर्पण के साथ तैय्यार हो जाओ ताकि बपतिस्मा दिये जाने के समय आप शुद्ध विवेक के साथ उत्तर दे सको।

२. विश्वास

सम्पूर्ण हृदय के विश्वास करने वाला ही बपतिस्मा पा सकते हैं। बहुत से कहते हैं कि वे मसीही है पर यह विश्वास नहीं करते कि पवित्र बाइबल, जो कि परमेश्वर का वचन है पवित्र आत्मा की अगुवाई से लिखा गया है। वे यह विश्वास नहीं करते कि प्रभु यीशु मसीह परमेश्वर के पुत्र हैं और केवल वे ही इस संसार के उद्धारकर्ता हैं। ऐसे लोग बपतिस्मा नहीं ले सकते।

फिलिप्पुस ने कुश देश के राजकुमार को सुसमाचार प्रचार किया। जब उनका रथ चलते - चलते एक स्थान पर पहुँचा जहाँ जल था तो खोजा ने फिलिप्पुस से पूछा कि क्या वह बपतिस्मा ले सकता है? फिलिप्पुस ने उत्तर दिया "यदि तू सारे मन से विश्वास करता है तो हो सकता है।" खोजे ने उत्तर दिया हाँ मैं विश्वास करता हूँ कि यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है।" (प्रेरितों ८:३६)

यदि आप विश्वास करते हैं कि प्रभु यीशु आपके पापों के लिए क्रूस पर मरे, उन्होंने आपके सब पापों की सज़ा अपने पर लें ली और आपको क्षमादान करके अपने बहुमूल्य लहू से धोकर साफ किया है, तो फ़िर आप भी बपतिस्मा ले सकते हैं।

गवाही देना

यदि प्रभु यीशु मसीह में आपका विश्वास जीवित विश्वास है तो वह मसीह की गवाही देने के लिए आपको प्रेरित करेगा। क्या आपने गवाही दी? क्या आपने अपने किसी मित्र को यह बताया है कि प्रभु यीशु मसीह ही इस संसार के मुक्तिदाता हैं? क्या उनसे कहा कि प्रभु यीशु का लहू उन्हें उनके सारे पापों से छुटकारा दे सकता है? क्या यह बताया कि आपने कैसे नया जन्म पाया है, कैसे अपने पापों से पश्चाताप् करके प्रभु यीशु को अपना उद्धारकर्त्ता ग्रहण किया है? क्या उन्हें यह बताया कि

परमेश्वर ने आपके जीवन को कैसे बदला, कैसे आपको शान्ती और आनन्द दिया है, कैसे प्रार्थना और परमेश्वर के वचन के लिए आप मे नया प्रेम उत्पन्न किया है?

मसीह की गवाही देना बहुत ज़रुरी है। बाईबल में रोमियों १०:९-१० के अनुसार इसे कहते हैं - "अपने मुँह से प्रभु यीशु का अंगीकार करना।"

यदि अब तक आपने अपने मुँह से यह गवाही नहीं दी है कि यीशु मसीह ने आपको छुटकारा दिया है तो बपतिस्मा लेने से पहले, शीघ्रताशीघ्र अंगीकार करें।

बपतिस्मा का अर्थ क्या है?

ग्रीक शब्द बैप्टिज़ो का अर्थ डुबाया जाना है। जब किसी को बपतिस्मा दिया जाता है तब उसे कुछ क्षणों के लिए पानी में पूरा डुबाया जाता है। यह मृत्यु को दर्शाता है, गाड़े जाने तथा जी उठने का संकेत है। जब आप बपतिस्मा लेते हैं तो यह दर्शाता है कि आपने प्रभु यीशु मसीह की मृत्यु, गाड़े जाने तथा जी उठने में सहभागिता की है।

मसीह की मृत्यु मे सहभागी होना

पौलुस ने गलातियों २:२० में कहा हैं "मैं मसीह के साथ

क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ।" आगे फिर समझाकर कहता है" हमारा पुराना मनुष्यत्व उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया।" हमारा पापी स्वभाव हमारे अन्दर भयानक शेर के समान है। आप चाहे जो कोशिश करें पर इससे छुटकारा नहीं पा सकते। छुटकारा पाने का केवल एक ही तरीका है, तुम्हें मसीह की मृत्यु में उसके सहभागी होना आवश्यक है। जब आप ने नया जन्म पाया तो आपके साथ ऐसा ही हुआ। तुम्हारा पुराना स्वाभाव जिसने तुम्हें बहुत कष्ट दिए अब मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया। विश्वास कीजिए कि वह अब मर चुका है और आप पर अब उसकी कोई ताकत नहीं काम कर सकेगी।

यह बात जब आप समझ जायेंगे तो आपको अपार प्रसन्नता और विजय अपने जीवन में मिलेगी।

प्रेरितों ९-१८ में पौलुस के जीवन परिवर्तन की कहानी को पढ़िये। जब पौलुस ने यरुशलेम से प्रस्थान किया तो वह एक भयावह अजगर के समान था। अजगर अपने मुँह से आग और धुँआ फेंकता है। शाउल डराने और मार डालने के काम उगलता था (प्रेरितों ९:१) जब यह दुष्ट मनुष्य दमश्कि को जा रहा था, तो प्रभु यीशु ने उसे दर्शन दिया। उसी समय पुराना शाउल मर गया। वह नया मनुष्य बन गया। और भविष्य में पौलुस नाम से

जाना गया। अब वह कह सकता था "मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ और अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझमें जीवित है।" (गलातियों २:२०)

पौलुस की नाईं हम भी कह सकते हैं कि मसीह की मृत्यु हमारी मृत्यु बन गई है। बपतिस्मा के द्वारा हम यही समता दर्शाते हैं।

मसीह के गाड़ेजाने में सहभागिता

पवित्र शास्त्र में दो स्थलों पर बपतिस्मा की तुलना गाड़े ज़ाने से की गई है - रोमियो ६:४ तथा कुलुस्सियों २:१२.

शव को जब गाड़ा जाता है तब उसे आँखों से दूर कर दिया जाता है (उत्पत्ति २३:४) जब तुमने यीशु को उद्धारकर्ता के रुप में ग्रहण किया तो तुम्हारे सारे पाप क्षमा कर दिए गये और उन्हे आंखों से ओझल कर दिया गया जैसा कि परमेश्वर ने कहा है, "क्योंकि मैं उनके अधर्म के विषय में दयावन्त हूँगा, और उनके पापों को फिर स्मरण न करुंगा।" (इब्रानियों ८:१२)

बपतिस्मा लेने के द्वारा आप यही समता दर्शाते हैं कि मसीह का गाड़ा जाना आपका भी गाड़ा जाना हुआ।

मसीह के जी उठने में सहभागिता

आप जब बपतिस्मा के बाद पानी में से निकल कर आते हैं तो यह समता दर्शाता हैं कि मसीह के साथ आप भी जी उठे हैं। (रोमियों ६:५) और अब मसीह आप में जीवित हैं, इसीलिए जब आप नये जीवन में पल रहे हैं (गलातियों २:२०, रोमियों ६:४)

शैतान आपका विरोध करेगा पर आप पर विजय पाने की शक्ति उसमें नहीं होगी, और पाप का आप पर कोई अधिकार न होगा। (रोमियों ६:७, १४) अब आप पाप और शैतान के लिए मरे हुए हैं पर यीशु में जीवित हैं।

इन बातों पर आप जितना अधिक विचार करते हैं, और परमेश्वर के वचनों को अपने में समेटते जाते हैं, इस सत्य का बार-बार ध्यान करते हैं कि मसीह के साथ आप मरे, गाड़े गये और जी उठे हैं, तो आपका आनन्द कई गुणा बढ़ जायेगा। आपका विश्वास बढ़ेगा, और जीवन सफल होगा। इस प्रकार बपतिस्मा लेकर आप विजयपूर्वक घोषणा कर सकते हैं कि आप मसीह के साथ जी उठे हैं।

प्रभु आपकी सहायता करे कि बपतिस्मा को समझने में आप दिन-प्रतिदिन बढ़ते जायें। एक जयवन्त मसीही जीवन का आनन्द प्राप्त करने में प्रभु आपकी सहायता करे।

अध्याय ४

किसके नाम में बपतिस्मा लें?

मसीह ने चेलों को आज्ञा दी कि पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दें। जब आप इस नाम से बपतिस्मा लेते हैं, तो यह दर्शाता है कि आपने नया जन्म पा लिया है, और स्वर्गीय पिता से हमारा अन्तरंग सम्बन्ध हो जाता है, उन्हें 'पिता" कहने का अधिकार मिल जाता है। पुत्र से अन्तरंग सबम्ध हो जाता है क्योंकि वे व्यक्तिगत रुप से आपके मुक्तिदाता हो जाते हैं; पवित्र आत्मा से आपका अन्तरंग सम्बन्ध हो जाता है क्योंकि वह आपमें निवास करने लगती है, आपकी देह उसका मन्दिर बन जाता है।

(रोमियो ८:१५ - १६, गलातियों ४:६, १ कुरिन्थियों ३:१६, ६:१९)

क्या आपने पौलुस के नाम से बपतिस्मा लिया?

कुरिन्थियों कि कलीसिया में कुछ लोग थे जो कहते थे कि वे पौलुस के हैं। पौलुस ने स्पष्ट कहा कैसी व्यर्थ बात हैं "क्या तुमने पौलुस के नाम में बपतिस्मा लिया?" प्रभु का जो भी दास आपको उनके पास ले आता है, शायद बपतिस्मा भी देता है, पर आप उसके नहीं बनते। आप मसीह के हो जाते हैं क्योंकि वे ही

हैं जो आपके लिए क्रूस पर चढ़ाये गये। इसलिए आप उन्हीं के नाम में बपतिस्मा लेते हैं।

आइये अब अगले विषय पर ध्यान करें : हम किसके है? किस कलीसिया के हैं? अगले अध्याय में यह मनन करें।

अध्याय ५

हमने अभी देखा है कि जब हम नया जन्म पाते तो प्रभु यीशु मसीह के साथ उनकी मृत्यु; गाड़े जाने और जी उठने में सहभागी होते हैं तो अब पुरानी बातों का विचार ना करें। हम अपने को यहूदी, यूनानी, दास व स्वतंत्र न समझें। हम अब परमेश्वर के घर के है। हम सन्त - संगत के नागरिक हो गये हैं। यह महान संगति जिससे अब हम जुड़ गये हैं "परमेश्वर की कलीसिया" कहलाती है। वे सब जो बचाये गये हैं और संग जोड़े गये हैं वे "प्रभु की कलीसिया" हैं। छुटकारा पाते ही आप इस कलीसिया से जुड़ जाते हैं।

एक ही कलीसिया है

परमेश्वर के वचन में देखें तो एक ही कलीसिया पायेंगे। (रोमियों २:८६, मत्ती १६:१८) कलीसिया "मसीह की देह"

कहलाती है। (इफी १:२२-२३) (कुलस्सियों १:१८) जैसे मनुष्य की एक ही देह है वैसे ही मसीह की एक ही देह है जो उसकी कलीसिया या चर्च है।

अत: ऐसा कभी न सोचना या बोलना कि मैं पौलुस का हूँ या अपुल्लोस का या किसी एक झुन्ड या सम्प्रदाय से हूँ। क्या मसीह बाँट गया है?

मसीह कलीसिया का सिर है

जैसे मनुष्य की देह को उसका सिर नियंत्रित करता है वैसे ही मसीह कलीसिया को है। मनुष्य के द्वारा कई समितिया बनाई गई हैं और हर एक का अपना समीति और निर्देशक होता है। किन्तु कलीसिया जो मसीह के द्वारा स्थापित की गई है उसका प्रधान स्वयं मसीह है। उनके अधिपत्य और अगुवाई में कलीसिया एक सेना के समान होगी। चाँद के समान श्वेत, सूर्य की नाई साफ और सेना की पलटन के सामन भयावह।

कुरिन्थियों की कलीसिया

कुरिन्थियों की और इफ़िसियों की कलीसियाँए दो अलग - अलग नहीं हैं। जैसे कोचिन, मुम्बई और गोवा एक ही अरब समुद्र के भिन्न - भिन्न भाग हैं इसी प्रकार कुरिन्थियों

की कलीसिया और इफ़िसुस की कलीसिया एक ही चर्च की कलीसियाँ हैं।

जो बचाये गये

प्रेरितों २:४६ में हम पढ़ते हैं "जो उद्धार पाते थे, उनको प्रभु प्रतिदिन उन में मिला देता था।" ज्योंहि आप बचाये गये मसीह ने स्वयं आपको कलीसिया में मिला दिया।

हमें एक दूसरे की आवश्यकता हैं

शरीर का हरएक अंग देह के लिए आवश्यक है; इसी प्रकार हमें एक दूसरे की आवश्यकता है। "आँख हाथ से नहीं कह सकती कि मुझे तेरा प्रयोजन नहीं, और न सिर पाँव से कि मुझे तुम्हारा प्रयोजन नहीं।" (कुरिन्थियों १२:२१) जब आप यह स्मरण करते हैं तो सह विश्वासियों को मूल्यवान समझकर उनसे प्रेम करते हैं।

इसलिए कि हम सब सदस्य एक ही देह के अंग (सदस्य) हैं तो एक साथ दु:ख उठाते, आनन्दित होते हैं। (१ कुरिन्थियों: १२:२५-२६)

परमेश्वर ने आपको एक वरदान दिया है

देह के हरएक अंग को एक विशेष कार्य करना पड़ता है।

इसी रीति से जबकि आप मसीह की देह के सदस्य हैं तो परमेश्वर के काम के लिए आपको एक विशेष वरदान मिला है। (१ कुरिन्थियों १२:४-११) अपने उन वरदानों का आपको प्रयोग करना है। कलीसिया रूपी देह की उन्नति और परमेश्वर की महिमा के लिए इन वरदानों का प्रयोग करना है। (इफिसियों. ४:१६, २ तिमुथियुस १:१६)

परमेश्वर के भवन का खम्भा

यदि आप अपने पूरे मन से परमेश्वर से प्रेम करते हैं, यदि आप विश्वासी और कर्मठ हैं, तो प्रभु आपको अपनी कलीसिया का खम्भा बनायेंगे (प्रकाश. ३:१२)

प्रभु आपको आशीषित करे और आप में तथा आपके द्वारा अपने सब महिमामय कार्यों को पूरा करे।

आमीन

प्रश्न

१. नया जन्म पानेवाले को बपतिस्मा क्यों लेना चाहिए? इसके ३ कारण बताइये।

२. प्रभु यीशु ने बपतिस्मे के विषय में क्या आज्ञा दी है? एक उदाहरण दीजिए।

३. अपने जीवन में से दो बातें बताइये जिन्हें आप पश्चाताप् (मन फिराव) के फल कह सकते हैं।

४. पानी में डुबाना और फिर निकाले जाने का प्रतीकात्मक अर्थ क्या है?

५. नया जन्म पाने के बाद जिन दो व्यक्तियों के सामने आपने गवाही दी, उनके नाम बताइये।

६. आप किस कलीसिया के सदस्य हैं?

भाई भक्त सिंह

कारमेल पर्वत
पनवेल महाराष्ट्र

द्वारा प्रकाशित